

आईआईटी रोपड़ ने उद्यमिता संवर्धन और इन्क्यूबेशन परिषद, अंबाला कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड एप्लाइड रिसर्च के साथ मिलकर अपनी 19वीं साइबर-फिजिकल सिस्टम लैब और हरियाणा की पहली सीपीएस लैब का शुभारंभ किया

रोपड़, 16 जनवरी: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रोपड़ ने उद्यमिता संवर्धन और इन्क्यूबेशन परिषद (ईपीआईसी), प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर (टीबीआई) - निधि टीबीआई, अंबाला कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड एप्लाइड रिसर्च (एसीई) के सहयोग से अपनी 19वीं साइबर-फिजिकल सिस्टम्स (सीपीएस) लैब का उद्घाटन किया है। भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के अंतःविषय साइबर-फिजिकल सिस्टम्स पर राष्ट्रीय मिशन (एनएम-आईसीपीएस) द्वारा समर्थित यह ऐतिहासिक पहल, हरियाणा में पहली सीपीएस लैब की स्थापना को चिह्नित करती है, जो क्षेत्र में सीपीएस प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान, नवाचार और कौशल विकास को मजबूत करती है।

उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में श्री संजीव चावला, अतिरिक्त विकास आयुक्त एमएसएमई डीएफओ, के साथ श्री नलिनी कांत, अध्यक्ष, एमडीआई और एसीई; जीपी. सीपीटी. सीएस शर्मा (सेवानिवृत्त), रजिस्ट्रार, एसीई; डॉ. मीनू सैनी, एचओडी ईसीई विभाग, एसीई; डॉ. राधिका त्रिखा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, अवध; और डॉ. मुकेश केस्टवाल, मुख्य नवाचार अधिकारी, अवध सहित प्रतिष्ठित अतिथियों ने शिरकत की।

उन्नत बुनियादी ढांचे के माध्यम से नवाचार को सशक्त बनाना

अवध सीपीएस लैब को शिक्षा, अनुसंधान, प्रोटोटाइपिंग, परीक्षण और सहयोग के लिए एक व्यापक मंच के रूप में डिजाइन किया गया है। अत्याधुनिक संसाधनों से सुसज्जित, इस सुविधा में शामिल हैं:

- आईआईटी रोपड़ द्वारा विकसित आईओटी किट, जो प्रयोग के लिए 24/7 प्लग-एंड-प्ले मॉड्यूल प्रदान करती हैं
- वायरलेस संचार और आईओटी अनुप्रयोगों के लिए बीएलई विकास उपकरण
- वास्तविक समय की निगरानी और विश्लेषण के लिए उन्नत पर्यावरण सेंसर
- तेजी से प्रोटोटाइपिंग और डिजाइन नवाचार के लिए 3डी प्रिंटर

शिक्षा-उद्योग सहयोग को बढ़ावा देना

कार्यक्रम के दौरान, श्री रामा कांत ने ईपीआईसी की दृष्टि और नवाचार और समस्या समाधान क्षमताओं को बढ़ावा देने में सीपीएस ढांचे की भूमिका को रेखांकित करते हुए एक संबोधन दिया। एसीई का प्रतिनिधित्व करने वाले डॉ. आशावंत गुप्ता ने सीपीएस-संचालित नवाचार के साथ संरेखित छात्र शिक्षण और विकास पहलों के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला।

आईआईटी रोपड़ टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन फाउंडेशन की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. राधिका त्रिखा ने सभी हितधारकों के लिए सीपीएस प्रौद्योगिकियों को सुलभ बनाने और नवाचार-संचालित विकास को प्रोत्साहित करने के महत्व पर जोर दिया। अवध के मुख्य नवाचार अधिकारी डॉ. मुकेश केस्टवाल ने सीपीएस अनुसंधान को स्केलेबल प्रौद्योगिकियों में अनुवादित करने, स्टार्टअप-संचालित नवाचार को बढ़ावा देने, और वास्तविक दुनिया में प्रभाव पैदा करने के लिए मजबूत उद्योग-शिक्षा संबंधों के निर्माण के महत्व को रेखांकित किया।

व्यावहारिक प्रशिक्षण और प्रदर्शन

समारोह का समापन 50 से अधिक उपस्थित लोगों के लिए सुविधा के निर्देशित दौरे के साथ हुआ, जिसका नेतृत्व श्री पुलकित कुमार और आईआईटी रोपड़ की तकनीकी टीम ने किया। पहले प्रशिक्षण और अभिविन्यास सत्र में 30 छात्रों और 10 संकाय सदस्यों को लैब के सीपीएस-आधारित टूलकिट और अनुप्रयुक्त शिक्षण के अवसरों से परिचित कराया गया, तथा लाइव प्रदर्शनों के माध्यम से लैब की उन्नत क्षमताओं का प्रदर्शन किया गया।

अवध सीपीएस लैब उच्च-प्रभाव प्रशिक्षण, अनुसंधान और नवाचार के केंद्र के रूप में कार्य करेगी, जो छात्रों, शोधकर्ताओं, नवप्रवर्तकों, उद्यमियों और उद्योग पेशेवरों को समान रूप से लाभान्वित करेगी। यह पहल हरियाणा और उससे आगे तकनीकी उत्कृष्टता को आगे बढ़ाने और सहयोगात्मक नवाचार को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण कदम का प्रतिनिधित्व करती है।
